web: www.nyaysakshi.com ‖ पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल ‖ पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

SJU Social Justice Union

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, सोमवार 09 अगस्त 2021 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-03, अंक- 310

दिल्ली आईजीआई एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

» अल कायदा ने पुलिस को भेजा ईमेल

नई दिल्ली (आरएनएस)। राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। आतंकवादी संगठन अल कायदा के नाम से ये धमकी दी गई है। दिल्ली पुलिस को ईमेल के जरिये यह चेतावनी भरा संदेश भेजा गया है। ईमेल में एक कपल के नाम से धमकी मिली है, जिसमें अगले कुछ दिनों में एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की बात कही गई है। इसके बाद सभी सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया है। साथ ही एयरपोर्ट पर भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

बीती शाम को आए मेल में मिला था, इसमें कहा गया है कि करणबीर सूरी उर्फ मोहम्मद जलाल और उसकी पत्नी शैली शारा उर्फ हसीना रविवार को सिंगापुर से भारत आ रहे हैं। वो एयरपोर्ट पर अगले एक से तीन दिन में बम रखने की साजिश रच रहे हैं। धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं, और सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

जांच करने पर डीआईजी ने बताया कि पहले भी समान नामों और समान विवरणों के साथ धमकी संदेश मिला था। उनके मुताबिक, पहले करणबीर और शैली को आईएसआईएस का सरगना बताया था, उसमें भी यही लिखा था कि दोनों आ रहे हैं और एक से तीन दिन में एयरपोर्ट पर बम धमाके करने की साजिश रचेंगे।

इससे पहले 18 अप्रैल को दिल्ली एयरपोर्ट पर एक विमान को बम से उड़ाने की धमकी से सनसनी फैल गई थी। बंगलूरु से दिल्ली आने वाली फ्लाइट में एक यात्री को वाशरूम में एक पर्ची मिली थी, जिसमें विमान में बम होने और उसके दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचते ही उड़ाने की बात लिखी हुई थी।

विमान के दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचते ही बम निरोधक दस्ते ने उसकी पूरी तलाशी ली। लेकिन विमान में कोई विस्फोटक नहीं मिला था। एयरपोर्ट पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया था कि विमान को बम से उड़ाने की धमकी भरा पत्र मिलने की जानकारी पुलिस को दी गई थी। किसी यात्री ने विमान के वाशरूम में एक टिश्यू पेपर का टुकड़ा पड़ा हुआ देखा था। जिसमें लिखा हुआ था कि बंगलूरू से दिल्ली आने वाली एयर एशिया की फ्लाइट में बम है।

विमान के दिल्ली पहुंचते ही उसमें धमाका कर दिया जाएगा। यात्री ने तुरंत इसकी सूचना आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस को दी। पुलिस ने छानबीन शुरू की। पुलिस ने एयरपोर्ट की सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफ व अन्य सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया था। साथ ही बम निरोधक दस्ता को एयरपोर्ट पर तैनात कर दिया गया था।

जजों के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले 5 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली (आरएनएस)। सीबीआई ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया की ओर से जारी की गई नाराजगी के बाद आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के न्यायाधीशों के खिलाफ अपमानजनक पोस्ट करने के आरोप में 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। दरअसल, सीजेआई ने दो दिन पहले निचली अदालतों के जजों की शिकायत पर कार्रवाई न होने को लेकर सख्त टिप्पणी की थी। चीफ जस्टिस एन वी रमण ने धनबाद के जज उत्तम आनंद की मौत पर स्वतः संज्ञान लेते हुए की गई सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की थी। सीबीआई को नोटिस जारी करते हुए चीफ जस्टिस ने कहा था कि जांच एजेंसी बिल्कुल भी न्यायपालिका की मदद नहीं कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को सीबीआई ने आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के जजों खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोप में 5 लोगों को गिरफ्तार किया है।

चीफ जस्टिस ने कहा था, सीबीआई ने कुछ नहीं किया। हमें उम्मीद थी कि सीबीआई के बर्ताव में कुछ बदलाव होगा लेकिन कुछ नहीं बदला। माफ कीजिएगा, लेकिन यह स्थिति है। जब जज सीबीआई और आईबी से खुद को मिल रही धमकियों की शिकायत करते हैं, वे मदद नहीं करते। झारखंड के जिला न्यायाधीश उत्तम आनंद की मॉर्निंग वॉक के दौरान अज्ञात वाहन के चपेट में आने से 28 जुलाई की मौत हो गई, मगर सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद इसमें साजिश की आशंका जताई गई। इस मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की और कहा कि जब हाई-प्रोफाइल लोगों के पक्ष में अनुकूल आदेश पारित नहीं किए जाते हैं तो ऐसी स्थिति में न्यायपालिका को बदनाम करने का एक नया चलन हो गया है। आईबी (इंटेलिजेंस ब्यूरो) और सीबीआई न्यायपालिका की बिल्कुल भी मदद नहीं कर रहे हैं।

आज पीएम मोदी किसानों के खाते में भेजेंगे 2000 रुपए

» 9.75 करोड़ परिवारों को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसान योजना की 9वीं किस्त का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। लेकिन अब उनके इंतजार की ये घड़ियां खत्म होने वाली है, क्योंकि कल यानी 9 अगस्त को दिन में 12.30 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों के खाते में 9वीं किस्त की रकम भेजेंगे। केंद्र की मोदी सरकार की तरफ से माईगर्वमेंटइंडिया के ट्विटर हैंडल से ये जानकारी दी गई है। इससे 9.75 करोड़ से अधिक किसान परिवारों को 19,500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे अकाउंट में ट्रांसफर की जाएगी। इस दौरान पीएम मोदी किसानों के साथ बातचीत भी करेंगे और राष्ट्र को भी संबोधित करेंगे। पीएम-किसान योजना के तहत, किसान परिवारों को 6000 रुपये प्रति वर्ष दिए जाते हैं। ये पैसे 2000 रुपये की तीन समान किश्तों में सीधे बैंक अकाउंट में ट्रांसफर किए जाते हैं। इस योजना के जरिए अब तक 1.38 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि किसान परिवारों को भेजी जा चुकी है। इस मौके पर केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर भी मौजूद रहेंगे। इससे पहले 14 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत वित्तीय लाभ की 8वीं किस्त जारी की थी।

भारत का कुल कोविड-19 टीकाकरण कवरेज 50.68 करोड़ से हुआ अधिक

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत का कुल कोविड-19 टीकाकरण कवरेज 50.68 करोड़ से अधिक हो गया है। आज सुबह 7 बजे तक की अनंतिम रिपोर्ट के अनुसार 58,51,292 सत्रों के जरिये कुल मिलाकर, 50,68,10,492 टीके लगाये जा चुके हैं। पिछले 24 घंटों में 55, 91,657 टीके लगाये गए। सभी लोगों को कोविड-19 टीकाकरण उपलब्ध कराने का नया चरण 21 जून, 2021 से आरंभ हुआ। केन्द्र सरकार देश भर में कोविड-19 टीकाकरण की गति में तेजी लाने तथा इसके दायरे को विस्तारित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

महामारी के आरंभ होने से लेकर अब तक जितने लोग संक्रमित हुए हैं, उनमें से 3,10,99,771 व्यक्ति पहले ही कोविड-19 से रिकवर हो चुके हैं तथा 43,910 रोगी पिछले 24 घंटों में स्वस्थ हुए हैं। यह 97.39 प्रतिशत की कुल रिकवरी दर को प्रदर्शित करता है।

भारत में पिछले 24 घंटों में 39,070 दैनिक नए मामले दर्ज किए गए हैं।

पिछले 42 दिनों से लगातार 50,000 से कम नए दैनिक मामले दर्ज किए जा रहे हैं। यह केंद्र और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के निरंतर और सहयोगात्मक प्रयासों का परिणाम है।

देश भर में टेस्टिंग क्षमता में उल्लेखनीय रूप से बढ़ोतरी के साथ, देश में पिछले 24 घंटों में 17,22,221 टेस्ट किए गए। कुल मिला कर, भारत ने अबतक 48 करोड़ से अधिक (48,00,39,185) जांच की जा चुकी है।

जहां एक तरफ, टेस्टिंग क्षमता देश भर बढ़ा दी गई है, साप्ताहिक पॉजिटिविटी दर वर्तमान में 2.38 प्रतिशत है और दैनिक पॉजिटिविटी दर आज 2.27 प्रतिशत है। दैनिक पॉजिटिविटी दर लगातार 13 दिनों से 3 प्रतिशत से कम बनी हुई है और अब लगातार 62 दिनों से 5 प्रतिशत से कम बनी हुई है।

गंगा-यमुना का जलस्तर बढ़ने से अलर्ट, निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति गंभीर

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में नदियों का जलस्तर बढ़ने के कारण योगी आदित्यनाथ सरकार ने अलर्ट जारी कर सभी संबंधित अधिकारियों को स्थिति पर कड़ी नजर रखने को कहा है। प्रयागराज में गंगा और यमुना का जलस्तर तेजी से खतरे के निशान (84.73 मीटर) के करीब पहुंच रहा है और निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति गंभीर होती जा रही है।

कई इलाकों में पानी भर जाने से लोग सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं।

फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 84.03 मीटर और छतनाग में 83.30 मीटर दर्ज किया गया।

इसी तरह, यमुना का जल स्तर, जैसा कि उसी समय दर्ज किया गया था, नैनी में 83.88 मीटर था।

दोनों नदियों ने लगभग 10-11 सेमी (पिछले चार घंटों से) की गति से तीनों बिंदुओं पर वृद्धि जारी रखी है।

सिंचाई विभाग के अनुसार रविवार शाम तक यह खतरे के निशान को छू सकता है।

गंगा नगर, नेवादा, अशोक नगर, बेली गांव, राजापुर के कुछ हिस्सों, सलोरी, बड़ा और छोटा बघारा, बद्र, सनौती, दारागंज और नागवासुकी जैसे कई इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया है।

यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ने से बाढ़ का पानी बालुआघाट में नदी के किनारे बारादरी तक पहुंच गया है।

इसी तरह वाराणसी में भी गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ा है और इस तरह चेतावनी के स्तर को पार कर खतरे के निशान की ओर बढ़ रहा है।

इसकी सहायक नदी वरुणा के तट पर एक और अधिक चिंताजनक स्थिति है, क्योंकि गंगा में बाढ़ आ गई और वरुण तट के दर्जनों इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। केंद्रीय जल आयोग के मध्य गंगा संभाग कार्यालय के बाढ़ बुलेटिन के अनुसार वाराणसी में गंगा का जलस्तर पहले ही चेतावनी के स्तर 70.26 मीटर को पार कर चुका है।

जल स्तर में और वृद्धि और खतरे के निशान को पार करने का खतरा जारी है क्योंकि नदी फाफामऊ, प्रयागराज और मिजार्पुर से ऊपर की ओर बढ़ती प्रवृत्ति को बनाए हुए है।

वाराणसी में गंगा अपस्ट्रीम पर बढ़ते जलस्तर से निचले इलाकों में रहने वाले लोगों में दहशत का माहौल है।

कई इलाकों में बाढ़ के कारण प्रभावित लोगों को पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन द्वारा बाढ़ राहत शिविर लगाए जा रहे हैं।

इस बीच प्रशासन और एनडीआरएफ जलस्तर पर कड़ी नजर रखने के साथ ही स्थानीय लोगों की मदद कर रहे हैं।

तिरंगे को लेकर गृह मंत्रालय का राज्यों को सख्त निर्देश

» प्लास्टिक के झंडे का न होने दें इस्तेमाल

नई दिल्ली (आरएनएस)। स्वतंत्रता दिवस से पहले केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने देश के सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों से प्लास्टिक के राष्ट्रीय ध्वज का इस्तेमाल न होने देने के लिए कहा है। मंत्रालय ने राज्यों के मुख्य सचिवों, केन्द्र शासित प्रदेशों के प्रशासकों और मंत्रालयों के सचिवों को पत्र लिखकर कहा है कि स्वतंत्रता दिवस सहित सभी राष्ट्रीय, सांस्कृतिक और खेल समारोह में राष्ट्रीय ध्वज संहिता 2002 और राष्ट्रीय ध्वज से संबंधित सम्मान अधिनियम 1971 का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज के लिए सभी के दिलों स्नेह, सम्मान और निष्ठा है। फिर भी लोगों के साथ-साथ सरकारी या एजेंसियों के बीच जागरूकता की कमी अक्सर देखी जाती है। यही कारण है कि महत्वपूर्ण राष्ट्रीय, सांस्कृतिक और खेल आयोजनों में कागज के स्थान पर प्लास्टिक से बने झंडों का भी इस्तेमाल किया जाता है। चूंकि, प्लास्टिक के झंडे कागज की तरह बायोडिग्रेडेबल नहीं होते हैं और ये लंबे समय तक विघटित भी नहीं होते हैं। इसलिए, आपसे यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया जाता है कि केवल कागज से बने झंडों का उपयोग जनता द्वारा भारतीय ध्वज संहिता, 2002 के प्रावधानों के तहत किया जाए।

एयरक्राफ्ट कैरियर विक्रांत ने पहला समुद्री परीक्षण सफलतापूर्वक किया पूरा

नई दिल्ली (आरएनएस)। स्वदेशी विमान वाहक (आईएसी) विक्रांत ने आज अपनी पहली समुद्री यात्रा सफलतापूर्वक पूरी की। विमानवाहक पोत 4 अगस्त को कोच्चि से रवाना हुआ है। भारतीय नौसेना ने कहा, योजना के अनुसार परीक्षण आगे बढ़े और सिस्टम पैरामीटर संतोषजनक साबित हुए है।

भारतीय नौसेना को पोत सौंपने से पहले सभी उपकरणों और प्रणालियों को साबित करने के लिए वाहक समुद्री परीक्षणों की श्रृंखला से गुजरना जारी रखेगा। भारतीय नौसेना के नौसेना डिजाइन निदेशालय (डीएनडी) द्वारा डिजाइन किया गया स्वदेशी विमान वाहक (आईएसी) विक्रांत जहाजरानी मंत्रालय (एमओएस) के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के शिपयार्ड कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) में बनाया जा रहा है।

आईएसी 76 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ आत्मनिर्भर भारत (आत्मनिर्भर भारत) और मेक इन इंडिया पहल के लिए देश की खोज का एक प्रमुख उदाहरण है। स्वदेशी विमानवाहक पोत 262 मीटर लंबा, 62 मीटर चौड़ा और 59 मीटर ऊंचा है, जिसमें अधिरचना भी शामिल है। अधिरचना में पांच सहित कुल 14 डेक हैं। जहाज में 2,300 से अधिक डिब्बे हैं, जिन्हें लगभग 1,700 लोगों के दल के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें महिला अधिकारियों के लिए लिंग-संवेदनशील आवास स्थान हैं। मशीनरी संचालन, जहाज नेविगेशन और उत्तरजीविता के लिए उच्च स्तर के स्वचालन वाले जहाज को फिक्स्ड विंग और रोटरी विमानों के वर्गीकरण को समायोजित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

पहली नौकायन के दौरान, पतवार, मुख्य प्रणोदन, बिजली उत्पादन और वितरण (पीजीडी) और सहायक उपकरण सहित जहाज के प्रदर्शन का परीक्षण किया गया है। परीक्षण, जिसकी समीक्षा वाइस एडमिरल ए.के. चावला, फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ दक्षिणी नौसेना कमान अंतिम दिन; योजना के अनुसार प्रगति हुई है और सिस्टम पैरामीटर संतोषजनक साबित हुए हैं।

कोविद -19 महामारी और कोविड प्रोटोकॉल के कारण चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, पहली परीक्षण छंटनी का सफल समापन, एक दशक से अधिक समय से बड़ी संख्या में हितधारकों के समर्पित प्रयासों का प्रमाण है। यह एक प्रमुख मील का पत्थर गतिविधि और ऐतिहासिक घटना है।

वाहक 2022 में अपनी डिलीवरी से पहले सभी उपकरणों और प्रणालियों को साबित करने के लिए समुद्री परीक्षणों की एक श्रृंखला से गुजरना होगा।

विक्रांत की डिलीवरी का लक्ष्य भारत की स्वतंत्रता आजादी का अमृत महोत्सव की 75 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में होने वाले समारोहों के साथ इसको लाया जाएगा । आईएसी की डिलीवरी के साथ, भारत एक विमान वाहक को स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्माण करने की क्षमता वाले राष्ट्रों के एक चुनिंदा समूह में शामिल हो जाएगा और सरकार की मेक इन इंडिया पहल को बल प्रदान करेगा।

महत्वपूर्ण एवं खास

महंत किशोर पुरी महाराज का 88 साल की उम्र में निधन, सीएम गहलोत ने ट्वीट कर जताया शोक

जयपुर(आरएनएस)। विश्व प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मेहंदीपुर बालाजी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत किशोर पुरी महाराज का आज निधन हो गया। वे 88 वर्ष के थे। वे काफी दिनों से अस्वस्थ थे। महंत किशोर पुरी का जयपुर के एक निजी अस्पताल में आज अंतिम सांस ली है। महंत किशोर पुरी के निधन का समाचार मिलते ही संपूर्ण क्षेत्र में शोक की लहर छा गई। धार्मिक नगरी मेहंदीपुर बालाजी के बाजार बंद कर दिए गए हैं। वहीं मेहंदीपुर बालाजी मंदिर के कपाट भी बंद कर दिए गए है। महंत किशोर पुरी महाराज के निधन पर स्थानीय नेताओं से लेकर क्षेत्र के कई गणमान्य लोगों ने दुख जताया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी ट्वीट कर शोक जताया। उन्होंने लिखा, मेहंदीपुर बालाजी मंदिर के महंत श्री किशोरपुरी महाराज के निधन की जानकारी दुखद है। उन्होंने सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए। ईश्वर से प्रार्थना है दिवंगत आत्मा को शान्ति प्रदान करें। बालिका शिक्षा के लिए किए गए महंत किशोर पुरी महाराज के प्रयास हमेशा याद किए जाएंगे। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने मेहंदीपुर बालाजी मंदिर के महंत किशोरपुरी महाराज के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की है। मिश्र ने ईश्वर से दिवंगत की आत्मा को शांति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। उन्होंने दिवंगत किशोरपुरी जी महाराज को पुण्यात्मा बताते हुए कहा कि समाज के लिए उनके द्वारा किए गए कार्यों को सदैव याद किया जाएगा।

सीएम बोम्मई ने येदियुरप्पा को दिया कैबिनेट रैंक का दर्जा

बेंगलुरु (आरएनएस)। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने अपने पूर्ववर्ती बी.एस. येदियुरप्पा को कैबिनेट रैंक का दर्जा प्रदान किया है। कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग (डीपीएआर) के अवर सचिव ने यह आदेश जारी किया। डीपीएआर के प्रोटोकॉल विंग के आदेश में उल्लेख किया गया है कि जब तक वर्तमान मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई पद पर रहेंगे, येदियुरप्पा को कैबिनेट स्तर के मंत्री की सभी सुविधाएं मिलती रहेंगी। ऐसा पहली बार हो रहा है। येदियुरप्पा अब एक सरकारी बंगले, वाहन, 11 कर्मचारियों और सरकार द्वारा प्रदान की गई सुरक्षा का उपयोग करना जारी रख सकते हैं। आमतौर पर, निवर्तमान मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बाद छह महीने तक इन भत्तों को जारी रखते हैं। डीएपीआर के सूत्रों ने कहा कि हालांकि, उन्हें कैबिनेट रैंक का दर्जा देने का आदेश दिया गया है। मुख्यमंत्री बोम्मई के आदेश ने कई लोगों को हैरान कर दिया है।

स्वतंत्रता दिवस से पहले भारत लगाएगा बड़ी छलांग, अंतरिक्ष में तैनात करेगा निगहबान

बेंगलुरु (आरएनएस)। स्वतंत्रता दिवस के जश्न की तैयारियों के बीच भारत अपने बहुप्रतीक्षित जियो इमेजिंग उपग्रह जीसैट-1 को 12 अगस्त को लॉन्च करने जा रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 12 अगस्त को जीएसएलवी-एफ 10 के जरिए धरती पर निगरानी रखने वाले इस उपग्रह को लॉन्च किया जाएगा। इस उपग्रह का कोडनेम ईओएस-03 रखा गया है। इसरो ने जानकारी दी है कि इस उपग्रह का प्रक्षेपण 12 अगस्त को सुबह पांच बजकर 43 मिनट पर किया जाएगा। हालांकि यह मौसम संबंधी स्थिति पर निर्भर करेगा। ईओएस-03 अति उन्नत उपग्रह है, जिसे जीएसएलवी एफ 10 यान की मदद धरती की कक्षा में स्थापित किया जाएगा। अभी तक इस उपग्रह का प्रक्षेपण कोविड-19 महामारी के कारण टला हुआ था। इससे पहले इस साल 28 फरवरी को इसरो ने 18 छोटे उपग्रहों को भी लॉन्च किया था। इनमें देसी और विदेशी उपग्रह शामिल थे। अंतरिक्ष विभाग के राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने हाल ही में संसद में दावा किया था कि ईओएस-3 पूरे देश की रोजाना 4-5 बार इमेजिंग करने में सक्षम है और जल स्रोतों, फसलों, वनस्पति की स्थिति और वन क्षेत्र परिवर्तन की निगरानी के लिए उपयुक्त है। यह बाढ़ और चक्रवात की भी सटीक जानकारी मुहैया कराएगा। रॉकेट में पहली बार 4 मीटर व्यास वाले ऑगिव-शेप्ड पेलोड फेयरिंग (हीट शील्ड) का इस्तेमाल किया गया है। इसके अलावा उपग्रह में 6-बैंड मल्टीस्पेक्ट्रल दृश्य और नियर-इंफ्रा-रेड के 42-मीटर रिज़ॉल्यूशन के पेलोड इमेजिंग सेंसर होंगे।